हे प्रिय भाइयों,

विदेशी सेवाकाई यात्रा के एक सप्ताह होने के बाद हम आपको नमस्कार कहते हैं ! दो या ढाई सप्ताह ईस्लामी राज्य मे बिताए हुए समय बाकी यात्रा से कुछ अलग था । आप में से बहुतों के प्रार्थना सहयोग के लिए हम प्रशंसा करते हैं और वही अनुरोध करते हैं । मसीह का आत्मा हरदम हमारे साथ था, स्वप्न और दर्शन के माध्यम से हमें सावधान करता और सिखाता रहा और वचन से जगाता रहा । हम चुनौतीपूर्ण होकर और जोशयुक्त होकर परमेश्वर के निमित्त हम घर वापस लौटे । अफ्रिका के भाईयों के पत्राचार द्वारा हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही हैं कि प्रेरिताई-संदेश फैलाने में और प्रेरिताई-दर्शन प्राप्त करने में काफ़ी प्रगति की हैं, पुत्रत्व का अनुग्रह और प्रभु का दिया हुआ अधिकार के सच्चाई उसकी कलीसिया को अन्तिम समय के प्रयोजन के लिए शक्ति प्रदान करता है ।

उसके अनुग्रह में- पावल गेलिगैन, पास्टर जेनैट, पास्टर ज़ीन मेनिंग और शिलोह के प्रेरिताई दल ।

जागृति समाचार

रिभाईवल मिनिष्ट्रिज् आष्ट्रेलिया कि ओर से

पि० ओ० बांक्स 2718 **बी० सी० टूउम्बाँ क्यु**04350 **आष्ट्रेलिया**

दूरभाष 61-7-46130633 ;   **इ मेल** rma@revivalministries.org.au

वेबसाईट www.revivalministries.org.au

अक्टूबर 2005अक्टूबर 2005**अक्टूबर 2005**अक्टूबर 2005**

मसीही समुदाय में बढना

"और वे सब ***विश्वाश करनेवाले इकट्ठे रहते थे,और उन की सब वस्तुएं साझे की थी, और वे अपनी अपनी सम्पत्ति और सामान बेच बेचकर जैसी जिस की आवश्यकता होती थी बांट दिया करते थे ।"*** **प्रेरित** 2:44-45 शिलोह प्रेरिताई समुदाय के चार लोगों के एक दल ढाई सप्ताह मसीही समुदाय के बितायें जहाँ लगभग सारे लोंग मुसलमान हैं और केवल 3 प्रतिशत लोग ही मसीही है और उसमे भी अधिकतर परंपरावादी नामधारी मसीही लोग हैं ।

सारे प्रबल भक्ति वाले मसीही संस्थाए इस देश मे मौजुद हैं, ऐसे-ऐसे प्रबल भक्ति वाले मसीही लोंग हैं जिनको हमने कभी भी नहीं सुना था ! ऐसे वातावरण के बीच परमेश्वर अन्तिम समय के कलीसिया में, पेन्तिकोस लोंग, सुसमाचार प्रचार कर रहे हैं कई कलीसीयाएँ स्थापित की हैं । कैसे भी हो अब **पेन्तिकोसों में से जवान अगुओं की एक दल है जो कलीसिया को पूरे तौर से पुनःस्थापित और संशोधन करना चाहते हैं** । भूमि पर इनके कार्य अनोखे हैं जैसे वे समुदाय के रूप में आ जाते हैं और उनके काम और सेवाकाई मे बाँकी परिवार के सदस्य लोंग भी पूरे तौर से सहयोग पहुँचाते हैं । ऐसे समुदाय मे हमें रहने के लिए सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

प्रत्येक सदस्य का योगदान

ऐसे संयुक्त बाडा के मसीही परिवार में हम रहे जिस में विवाहित बेटे और उन के परिवार और रिश्तेदार भी एक साथ रहते थे। **यह संयुक्त परिवार परमेश्वर का राज्य-बिस्तार में समर्पित थेः कई अपने कामों मे जाते थे, भाईयों में से एक अच्छा व्यापारी था, और सेवाकाई के काम में आर्थिक सहायता पहुँचाते थे ।** जो बेटा पास्टर था, परमेश्वर का दास के हैसियत से बहुत इज्जत करते हैं और सारे के सारे सेवाकाई के काम में जुट जाते थे । साथ ही साथ जो सह-कर्मी उस बाडा के अन्दर नहीं रहते थे तौभी पूरे तौर से सेवाकाई में व्यस्त रहते थे । यह मसीही बाडा मुस्लीम जिला के अन्दर स्थित है पर यह परिवार बहुत इज्जतदार है । व्यापार में मुस्लीम व्यापारीयों से सुभेच्छा पाते हैं और अक्सर घर में परामर्श के लिए आया करते हैं। पडोसी भी

प्रर्थना के आवश्यकता लेकर आते है और आकर गवाही भी दी की परमेश्वर ने उनकी प्रर्थना सुनी । मुस्लीम व्यापारी के सम्पर्क द्वारा हमारे लिए गाडी का इन्तजाम किया गया और एक बार तो एक भोजानालय में सुन्दर भोजन का इन्ताजाम किया गया ।

घर में कलीसिया

यह संयुक्त परिवार बहुत सारे लोंग साथ-साथ रहते हुए सेवाकाई की बडौती के लिए सारे लोंग काम करते थे, **घर में क्लीसिया होने के लिए** और **उभरते प्रेरिताई समुदाय के लिये केन्द्रीय भाग** बनने के लिये एकदम तैयार हैं । दूसरे रविवार के तीसरे पहर, घराना के सारे लोंग इकट्ठे हुए, हमने एक अद्भुत घर कलीसिया की अनुभूति की, उस बाडे के आँगन में 60 से अधिक लोंग हम निचे बैठे थे । ये भाइयों के लिये यह नयाँ अनुभव था क्योंकि वे पहले ऐसी कलीसिया से संबंध रखते थे जहाँ सेवाकाई एक समर्पित भवन के अंदर होती थी, यद्धपि उनकी कलीसिया स्थापना घर के बाडे के अन्दर सीमित हैं । घर कलीसिया की एक खुबी यह थी कि **रोटी तोडना और इस अनुष्ठान में पूरे परिवार में प्रभु यीशु मसीह का सामेल होना** । कई तरीको से यह घर कलीसीया की सभा इस तरह दिखाई पडा जैसे **प्रेरिताई कलीसिया, घर में मिलने के लिये इकट्ठे हुई हो ।**

कलीसिया क़ी स्थापना

कई जवान पास्टर जिन्होंने बाईबल कॉलेज में अध्यन की हैं, जोरदार मशाल कायम की हैं । यदि अलग-अलग नगरों एंव अलग-अलग सेवाकाई में रहने के बजाय वे एकसुरा काम करते हैं । अठारह महीने पहले हमारी एक समुदाय को एक गरीब गाँव में बुलाया गया और **सडक में चलते हुए प्रार्थना शुरु किया** । थोडे ही हप्ते के ही अन्दर एक मसीही परिवार के साथ उनकी मुलाकात हुई जिन्होंने उसे पास्टर जानकर पहचाना । **उस घर में उस ने प्रार्थना सभाएं शुरू की और आज इस गाँव में कलीसिया स्थापना में सफल बृद्धि हुई हैं** । एक घर बडी आँगन सहीत भाडे मे ली गई हैं सेवाकाई के कार्य के लिये हर दिन इस्तेमाल करेते हैं । लगभग 60 विद्यार्थीयों के लिये **दिन के पाठशाला संचालन** (इस देश में अनपढों की संख्या बहुत अधिक हैं) होती हैं । कई एक विध्यार्थी तेरह से उन्नीस वर्ष तक के हैं लेकिन पाठशाला में उपस्थित होने का उनके लिए पहला अवसर होता हैं । शाम के समय **जवानों के लिये पाठशाला संचालन होती है** । लक्ष्य यह हैं कि 6 महीने के अन्दर जवान बाईबल पढ सके । शनिवार तीसरे पहर को **स्त्रियों के लिये सिलाई की कक्षा आयोजन की जाती हैं** कि स्त्रियाँ कमाने की कौशल सिखे अब तक मुस्लीम घरों में स्त्रियों को बहुत निंचता के काम करेने पडते हैं । **रविवार और अन्य समयों में कलीसिया होती हैं** । 100 लोंग अक्सर सामिल होते हैं लेकिन जब हमनें एक सभा बाहर के लोगों के लिए आयोजन की तो बाडे में 300 लोगों की ख़चाखच भीड थी, सीढियों में बैठे थे, छत में भी लोंग खडे थे, कुछ तो गेट के अन्दर नहीं आ पा रहे थे ।यह एक उत्तेजित सभा थी । हमारे भाई अब अन्य जगह पर कलीसिया स्थापित करने के लिये तैयार है जहाँ पर केवल नाम के लिए मसीही हैं, वे सब वस्तुओं की आवश्यकता उस गाँव मे भी हैं । सक्षम अगुवाईपन तैयार की गई हैं जिससे यह कलीसिया सफलतापूर्वक जारी रहेगी ।

प्रेरिताई समुदाई की आविर्भाव

मत्ती 10:40 अनुसार हमें स्वीकार किया गया । तीन दीनों की सम्मेलन पास्टर एवं अगुवों के लिए नगर में अच्छे ढंग से आयोजित किया गया । जितने लोंग जमा थे वचन को सहर्ष स्वीकारा । **जितने अगुवे जमा थे उनके लिये सम्मेलन बहुत ही बीज रोपनयुक्त और भविष्यवाणीपूर्ण थे** । जिन्होंने ह्मारी मेज़मान की उनकी यथाशक्ति अनुसार जिससे **सेवाकाई दल के द्वारा प्रेरिताई समुदाय की ढांचा में गठन हुई** । प्रेरिताई समुदाय सन्तों का ऐसी शरीर है जिन्हें परमेश्वर ने समर्पण के साथ जगत के प्रत्येक देशों में उसके राज्य स्थापित होते हुए देखने के लिए बुलाया हैं । सन्तों को संस्थाओं और संगठनों से बाहर बुलाया है कि नयाँ नियम के कलीसिया की प्रदर्शनकारी बने । प्रेरिताई समुदाय में, प्रत्येक सेवा और वरदान जो परमेश्वर ने नयाँ नियम में दे रखी हैं स्पष्ट रूप से कायम है । एक प्रेरित के नेतृत्व में, ये समुदाय राज्यों में फैलती हैं, जिसमें दल के सभी सदस्य पूर्ण रूप से परमेश्वर के स्पष्ट बुलाहट और पुत्रत्व की सामर्थमय प्रकाश को समझते हों । परमेश्वर प्रेरिताई समुदाय को बडा रहा है और

पवित्र आत्मा का भरी वर्षा जो प्रभु के वापसि से पहले छुटे ***"और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियो पर ज्गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा ।" मत्ती*** *24 : 14*

प्रेरिताई-संदेश भारत के दो राज्यों में फैला

प्रेरिताई सम्मेलन के लिए तामिलनाडु और आन्ध्र प्रदेश से अगुवे इकट्ठे हुए । सम्मेलन का एक ख़ास दृश्य था पावल गैलिगैन का लिखा हुआ पुस्तक 'हमारे मीरास में चलना' 'Walking in our Inheritance' तेलेगु भाषा में प्रस्तुतिकरण । राजमण्ड्री के प्रिय भाई ने इस पुस्तक को अपनी ही खर्च से पुस्तक को अनुबाद और छपाई की । सभी प्रतिनिधि ने एक-एक प्रति प्राप्त किया । चिन्नई और आन्ध्र प्रदेश के चार केन्द्रों के वरिष्ठ अगुवों ने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया । इन अगुवों द्वारा एक बृहत और प्रभावशाली द्वार प्रेरिताई संदेश के लिए खोला गया । सेवकों द्वारा हमने जीवन बदलने की गवाही सुनी ।

परमेश्वर के घर के लिए धुन रखना

दौरे के आखिरी हप्ते में, प्रभु ने मुझे प्रेरित कीया और सदुपेश दिया **कि सेवाकाई के कार्य में आगे बडे, प्रेरिताई की बुलाहट को पुरा करने, उसके दिखाये हुए राज्यों में जायें, उन राज्यों में प्रेरितों को खडा करे, प्रेरिताई समुदाय का गठन होते** देखना और **नयाँ नियम की कलीसिया की तरह अभ्यास** करना, **कलीसिया की सिदधांत और अभ्यास में पूरा पुनर्रचना होना**, जैसा लिखा है । **इससे कोई अन्तर नहीं पडता कि कितना 'बडा'** हमारा सेवाकाई है ! इससे कोई अन्तर नहीं पडता कि कितने रूपये हमारे पास है ! **अन्तर तो तब पडता है की हम उसके बुलाहट में कितने आज्ञाकारी हैं** !

यीशु ने हमें चुना और नियुक्त कीया ! यूहन्ना 15:16

"तेरे घर की धुन मुझे खा जाएगी" **यूहन्ना** 2 :17

"यहोवा ने तुझे भवन बनाने को चुन लिया है , हियाब बान्धकर इस काम में लग जा" **1 इतिहास** 28:10